VOL. 56, 2016
FREE OF COST
FULL OF CARE

In the Name of LOVING GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

आत्मा की आवाज़

शोर में भी, शानदार जीवन
शान्ति से जीने के लिए

The Voice of Soul

For a Prosperous yet
Pure and Peaceful Life

Life का सबसे बड़ा मज़ाक !
मरने के बाद आत्मा की शान्ति?
जैसे exams के बाद पढ़ाई....!

पाप, पीछा करके परेशान कैसे करते हैं?
How sins snatch away the sanity?

हमारी एक नहीं चार आयु होती हैं। कैसे?
Four types of age - How?

ईश्वर से full फायदा कैसे उठाएँ?
How to receive the Grand Grace of God?

CLEAN MIND CAMPAIGN
for listening the voice of soul

Mission Happiness

Turn to God before you return To God

Mission Consciousness

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

visit us at www.missionhappiness.in

आत्मा की आवाज़ सुनने के लिए

साफ मन अभियान

Clean Mind Campaign

यह life दोबारा तो मिलनी नहीं है। Suddenly, कभी भी कुछ भी हो सकता है। And body की health हो या surroundings की happiness, सब कुछ depend करता है मन की सेहत पर।

साफ मन है,
तो सफलता + सुख शान्ति
100% पक्की।
मैला मन है, तो मरने (केवल physical body)
के पहले और बाद में भी मुसीबत ही मुसीबत

Therefore, Mission Happiness के platform से universal spirit, God, साफ मन अभियान, clean mind campaign execute करवा रहे हैं ताकि, **हमें अपनी आत्मा की आवाज़ सुनाई दे सके**। In other words, हमारी consciousness में clarity आती जाए।

मन मैला तब होने लगता है, जब God के laws का उल्लंघन होता है। जैसे, अहंकार करना, लालच करना, sensitivity का कम होना। **मैले मन से मति (wisdom) मारी जाती है।** तब कोई भी person हो, बड़ा से बड़ा successful, या बुद्धिमान ही क्यों न हो, **उनको नतीजों की चिन्ता नहीं रहती।** Power के नशे में सिर्फ पैसा कमाने की प्यास होती है, पाप-पुण्य के बारे में याद आ जाए तो सोचते हैं- अरे जो होगा देखा जाएगा, आज तो चाँदी काट लें।

आज की चाँदी - पाप कर्मों से कमाने पर, अपना सोना और हीरे मोती (चेतना, प्रज्ञा, शान्ति, safety, purity, happiness) हम सब कुछ गंवा बैठते हैं।

Therefore, there is dire need for waking up the people, particularly literate class,

जिससे कि पैसा तो खूब कमाएँ, लेकिन पाप रहित। तब safety भी पूरी और prosperity का भी मज़ा आना है।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री Dr. Manmohan Singh, Shri L.K. Advani, Shri Rajnath Singh (Home Minister), Shri Shiv Pal Singh Yadav सहित अनेक अग्रणी विभूतियों को ''साफ मन अभियान'' से जोड़ कर इस campaign का विस्तार हो रहा है।

जो भी Inner Voice को पढ़ते समझते हुए अपनी Inner Voice सुनना चाहते हैं, और ईश्वरीय चमत्कार देखना चाहते हैं, आप सभी से appeal है कि please आगे आकर, Mission Happiness के साथ co-operate करें, so that लोगों के मन को साफ करके पुण्य कमाएँ, शान से जिएँ, शान्ति से जाएँ।

मन साफ तो पाप माफ़

दुख तकलीफों को avoid करने के लिए, बहुत important है - साफ मन Campaign, ज़िन्दा रहते हुए अपने मन को साफ कर लें, God के साथ करके Divine सौदा, Bargain, काफी हद तक दूर होते जाएँगें, Life से Diseases, Disturbances and Pain, और body death से पहले और बाद में भी होगी- God Blessings की Plentiful Rain, समझदार होकर भी सच्चे न हुए, then this precious life will be lost in Vain.

Taming the Anger

क्रोध को काबू में कैसे करें ?

गुस्सा

एक ऐसा आतंकवादी है, जिससे अच्छे खासे
बुद्धिमान प्राणी का स्वभाव खराब और बदनाम हो जाता है।

This individual terrorism destroys the peace of mind,
of the person as well as spreads negative vibrations all around.

कारण (Cause) - क्रोध सन्तान है- अहंकार की। Ego or अहंकार ही वह अंधकार है, जिसमें right and wrong की पहचान ही नहीं हो पाती। अहंकार आता है अज्ञान से। ज़िन्दगी और मृत्यु की बड़ी तस्वीर को निरन्तर ध्यान में न रखने से प्राणी भूल जाता है कि, कभी भी, कुछ भी हो सकता है। एक छोटे से mosquito bite से व्यक्ति 15-20 दिन तक अस्पताल में लेटकर नरक का अनुभव करने को मजबूर हो जाता है। दूसरा **main reason,** अपने पर ध्यान न देना है। जब तक person self analysis नहीं करता, तब तक उसे अपनी गलतियों का अहसास ही नहीं होता।

Third reason is diet तामसिक, मसालेदार, fast food खाने से स्वभाव में सात्विकता का level गिर जाता है, तब irritation, frustration, despair की form में anger, display होने लगता है।

निवारण (Solution) - गुस्सा भागने में hardly 15-20 days का time लगेगा, यदि हम, अपनी **birth and physical death** के नज़ारों को दिन में 5 times कल्पना करने लगें। वास्तविकता, reality का जितना ज्ञान और ध्यान होता जाता है, अहंकार, darkness दूर होने लगती है। **हमें कुछ समय बाद इस पृथ्वी से सदा के लिए कहीं और चले जाना है- यह सत्य बहुत शक्तिशाली है।**

Secondly - यह decision लगातार लेते रहना कि क्रोध से मेरा blood pressure बढ़ जाएगा, मेरी kidney और heart damage होते जाएंगें, hospital के चक्कर लगाने पड़ेंगें, मेरी income का एक बड़ा हिस्सा, wasteful expenditure हो जाएगा, यह बेवकूफी मैं क्यों करूँ ?

Thirdly - अपनी social reputation का ध्यान रखना कि गुस्से वाले व्यक्ति को कोई पसन्द नहीं करता, छोटे बड़ों से curses, श्राप ही मिलते हैं, जिनसे, बनी बनाई किस्मत खराब हो जाती है।

Forth remedy is सादा खाना समय पर और physical exercise, games इत्यादि पर focus करना।

Continuously God remembrance करके मुस्कुराते रहना। यह तो permanent solution है।

First aid for anger है - Site, स्थान से silent होकर चले जाना।

अपनी Divine हैसियत से गिरते ही, प्रकट होने लगता है, राक्षसी क्रोध, इसको control करने के लिए बहुत ही जरूरी है, करना, आत्म शोध, Ego & Anger के जाते ही, शान्ति व सुख का होने लगता है, Divine बोध।

HOW TO BE GOD FRIENDLY ?

ईश्वर से दोस्ती कितनी ज़रूरी ?

कुछ भी करिए,

ईश्वर से दोस्ती immediately करिए,

नहीं तो बाद में आत्मा regret बहुत करेगी।

हो सकता है, यह title पहली बार पढ़ने में कुछ अजीब सा लगे, लेकिन दूसरी और तीसरी मरतबा सोचने पर, यह अजीब नहीं, वरन आवश्यक लगने लगेगा।

First of all we need to understand the real meaning of God.

हम हिन्दू हों या मुसलमान, सिख या ईसाई, बौद्ध, जैन, धर्म मार्गों को follow करने वाले, हम सभी के mind की ऐसी preconditioning हो चुकी है, हमारे मन ने ईश्वर की ऐसी अवधारणा बना ली है, जो कि सिर्फ जीवन के ऊपरी या बाहरी हिस्से तक सीमित रह गई है।

ईश्वर से practically फायदा तो कुछ ले ही नहीं रहे हैं।

We are not even studying the purpose of **Godness.** हम हैं, तभी तो ईश्वर हैं। Similarly ईश्वर है तभी तो हम हैं।

लेकिन हमें और ईश्वर, अल्लाह, वाहेगुरू को हमसे फायदा क्या हो रहा है?

Any intelligent person, who will think a little deeply will immediately change his/her attitude और life में तुरन्त changes आने लगेंगे।

ईश्वर हमसे क्या चाहता है?

अल्लाह, वाहेगुरू हमसे दोस्ती करना चाहता है।

कैसे ? हमें सच्चा, सरल और सफल देखना चाहता है।

क्यों ? because आदमी हो या पशु, वस्तु हो या कुछ भी, सब के through **ईश्वर खुश होना चाहता है।** because God is Life and Life is God. **जीवन और ईश्वर अलग नहीं है।**

हमें ईश्वर से क्या, और कैसे फायदा?

सड़क पर trucks के पीछे लिखा होता है-

'मेहनत मेरी, रहमत तेरी'

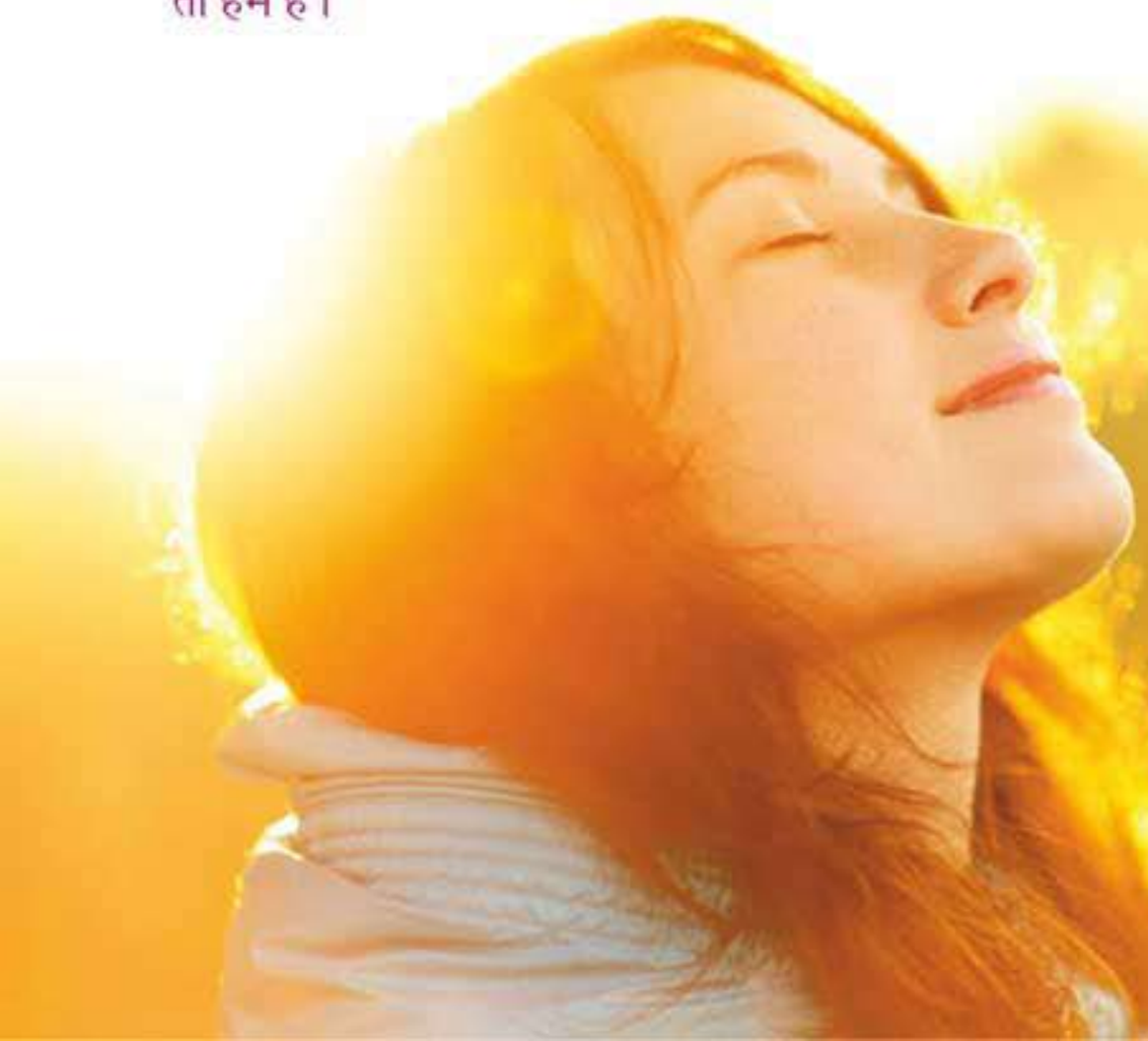

ईश्वर भाव है - अभाव नहीं।

ईश्वर सफाई है - गन्दगी नहीं।

ईश्वर शान्ति है - क्लेश नहीं।

ईश्वर सुन्दरता है - ugliness नहीं।

ईश्वर प्रगति परिवर्तन है - ठहराव, stagnation नहीं।

ईश्वर happiness है - क्रोध, युद्ध का मैदान नहीं।

रहमत है – Grace – Reward for Goodness, Trueness

हमें शक्ति चाहिए – वह **ईश्वर से जितना चाहें, जो चाहें पा सकते हैं। बुद्धि आदमी के पास है।**

आदमी + सद्‌बुद्धि = इन्सान

इन्सान + दया + दान (प्रेम) = देवता – फरिश्ता

फरिश्ते, इन्सान, आदमी, पशु, वनस्पति, पत्थर, चेतना, समझदारी के अलग-अलग standards के according हम सभी Godness, प्रभु के नुमाइंदे हैं।

हम आदमी पैदा हुए थे– इन्सान बनकर जिएँ तो फरिश्ते बनकर जाएँगे, तब मृत्यु से नहीं घबराएँगे।

God से Friendship का मतलब, उसकी शक्ति को उसी के नियमों के अनुसार utilize करते हुए, ऐश्वर्य से रहना।

God की अन्धाधुन्ध पूजा, इबादत में लगे रहने से, न कुछ मिला है, न ही कुछ मिलना है। हाँ, धर्म को न समझने के कारण, अहंकार बढ़ता जा रहा है, इसलिए क्रोध और क्लेश ज्यादा होने लगे हैं।

For example, the power of electricity can be used only through the principles of electricity, to run so many gadgets smoothly and successfully.

बिजली के नियमों का पालन किये बिना, बिजली का इस्तेमाल कर ही नहीं सकते। **इसी प्रकार ईश्वर के नियमों का पालन किये बगैर उससे फायदा नहीं लिया जा सकता।**

ईश्वर तरंगों की महान शक्ति है। उसका एक point हमारे mind में है। इसको use करके हम जो चाहें कर सकते हैं, बस शक नहीं करना। **Total Faith – पूरा विश्वास।**

कोशिश करना, ईश्वर और अपने पर doubt करना है। निश्चय करना, ईश्वर और अपने सच्चे सम्बन्धों का पूरा फायदा लेना।

ईश्वर से दोस्ती करके मज़े से जीने के लिए – **''खुशनसीबी के रंग Mission Happiness के संग'' Sadhna Channel** पर **TV Programme (Sunday, 3:00 p.m.)** की **DVD's** से और अधिक clarification ले सकते हैं।

4 Simple Steps for Befriending God

- अपनी **physical body** की **wellness** के लिए निरंतर धन्यवाद! धन्यवाद!! धन्यवाद!!!
- भूख, भोजन और **digestion** के लिए खाने से पहले और खाने के बाद भी धन्यवाद।
- सभी वस्तुओं और व्यक्तियों को ईश्वर का **gift** समझना, जो केवल कुछ समय के लिए हमें मिले हैं।
- **Physical body** के **end** और **soul** की **long life** का निरंतर ध्यान रखना।

4 कन्धों की यात्रा से पहले 4 कदम चल कर तो देखें !

अर्थी से पहले अर्थ

How quality of money shapes quality of our mind ?

पैसा आगे - तो पाप पीछे-पीछे

पुण्य आगे - तो पैसा पीछे-पीछे

पैसा पाप-पुण्य किस्सा किस्मत बनाने का

Above 15 years का बच्चा भी आजकल इन चार शब्दों से वाकिफ होता है- पैसा, पाप, पुण्य और किस्मत।

लेकिन शायद 50-60-70 years के adults, so called experienced and mature भी ध्यान नहीं देते कि पैसा, पाप, पुण्य व किस्मत, यह

चार शब्द नहीं, चार अर्थ हैं ज़िन्दगी के, जिन पर ध्यान न देने के कारण, हम अपनी किस्मत, अपनी मर्जी से लिखने से चूक जाते हैं।

How it happens? It is very interesting!

Indeed, पैसा सबको चाहिए और खूब चाहिए, There is nothing wrong in it, खूब कमाएँ, खूब खर्च करें। ईश्वर इसी से प्रसन्न होता है।

किन्तु पैसा कैसे कमाएँ और कैसे खर्च करें, ईश्वर को इससे बहुत ज्यादा मतलब रहता है।

Infact, how money is earned and how it is spent, is the back bone of worldly drama.

अर्थ का उल्टा अनर्थ होता है। जिसने अर्थ (money) कमाने में जितना लालच किया और जितना ठगा,

उतना ही, exactly the same, अनर्थ उसकी किस्मत में automatically लिख दिया जाता है।

अनर्थ **means -** बुरा होना, **means bad times.** लोग कहते हैं न कि आजकल बुरा वक्त चल रहा है। यह बुरा वक्त, हमारी स्वयं की creation है। दूसरा कोई कुछ नहीं करता।

Similarly, ईमानदारी - God laws यानि good intention से कमाया और खर्च किया गया पैसा, पुण्य ही लाता है।

अब पुण्य या good times क्या है?

Good health, happiness, humbleness and honour. पैसे का यदि घमण्ड आ गया, तो पक्का है खुशी और खुशकिस्मत दोनों तुरन्त भाग जाते हैं। **दूसरों को दुख देकर, या दूसरों के दुख में अपने सुख का इन्तजाम करना - ज़िन्दगी का game पक्का हारना है।**

इस ईश्वरीय नियम को ईश्वर भी नहीं change कर सकते।

Good times or bad times depend up on our Goodness or Badness.

Choice हमारी - क्या करेगी किस्मत बेचारी?

मृत्यु से पहले यदि हमने नहीं समझा, इस जीवन का Real अर्थ, तब हम चाहें या न चाहें, 100% होना ही है Life में अनर्थ, सिर्फ खाने कमाने के लिए नहीं मिली थी, यह Human Birth, पवित्रता व पुण्य कमाकर महसूस करनी थी, अपनी True Worth.

Mission Happiness
की inside story

पैसा तो आए, किन्तु पवित्रता न जाए

RICHNESS THROUGH RIGHTEOUSNESS

Unlike other business organizations Mission Happiness के दो aim हैं -

Small Aim – Richness – पैसा Earn करना

Bigger Aim – Righteousness – पवित्रता के साथ पैसा

एक से ज्यादा धर्मग्रन्थों में हराम शब्द का इस्तेमाल हुआ है।

हराम means - impure - अशुद्ध, जो शुभ नहीं होता। हलाल means - pure - शुद्ध, जो शुभ लाभ देता है।

Mission Happiness के products हों या persons -

नमक हलाली से ही income, हलाल के ही Expenses

Patients, Doctors, Chemists, Members of Mission Happiness, सभी की आत्मा को शुद्ध रखने में कोई कसर न छोड़ना, because after some time-

Patients ने Patients नहीं रहना — Doctors ने Doctors नहीं रहना

Chemist ने Chemist नहीं रहना — हमने Medicine provider नहीं रहना।

But हमारे कर्मों के Aim, Intentions, Action, यह कभी मिटने वाले नहीं हैं।

Patients की blessings and curses कोई हल्की, छोटी या कमज़ोर शक्ति नहीं है। Body death से 4-5 months पहले कर्मों के फल 100% सामने आ जाते हैं और death के बाद भी soul को प्रभावित करते रहते हैं।

Doctors से prescription पाएँ, यह important है but prescriptions पाएँ - merit & honesty of products के besis पर, यह सबसे ज़्यादा ज़रूरी है।

Field Associates से जबरदस्ती sale करवाना, tension देना, request के base पर patients को ignore करके prescription लेना, यही सब ईश्वर के साथ नमक हराम वाला व्यवहार है।

ज़िन्दगी में दूसरों को धोखा देने पर मौत पूरा-पूरा बदला लेती है।

That is why Mission Happiness में products की Quality + Price + Honesty को top priority देते हैं।

हम Doctors, chemist, दुनिया के सामने accept करें कि हमें लालची, डरपोक, झूठा होने से बचाने में help कीजिए।

Prescriptions के लिए हम ईमानदारी की strong advocacy करें न कि लालची, कमज़ोर - weak request.

प्रभु के निरन्तर स्मरण, दान, प्रार्थना के कारण, Mission Happiness के members का क्रोध तो काफी कम हो गया है।

अब greed - लालच को पूरी तरह भगाना है, तभी Divine कहलाना है।

साफ मन अभियान, Clean Mind Campaign, Mission Happiness में सबसे पहले utilize करके, तभी Doctors, Judiciary, Media, Politicians, Universities तक आगे spread करना है।

ज़िन्दगी की 4 उम्र

जैसे Coconut, बाहर से ugly, hard, बालों वाला, पत्थर जैसा दिखता है, किन्तु from inside, कितना मीठा पानी, खाने में कितना स्वादिष्ट होता है, पौष्टिकता, nourishment भी छुपी रहती है।

Similarly, human being की life outside तो बहुत कठिन दिखाई देती है। गरीब और अनपढ़ तो क्या, officers, rich businessman, teachers, students, sports person and politician सभी struggle करते हुए पाए जा रहे हैं। But life का disection कर लें तो पाएँगे कि life में sweetness, taste, strength सब कुछ विद्यमान है। For example, आयु का, age के matter का analysis कर लें। आम तौर पर लोग पूछते हैं कि आपकी आयु कितनी है, पता चला 10, 20, 30, 40, 60, 70 years. यह हुई body की physical age.

But in reality there are 4 dimensions of age :

1. Visible Physical Age – Physical body, स्थूल शरीर की age, birth से start होती है और body, physical death पर समाप्त हो जाती है। इसे सभी जानते हैं।

2. Emotional Age – भावनाओं की उम्र - इससे संवेदनशीलता का पता चलता है। Physical age 50-60-70 वर्ष वालों की भी Emotional age 2-3 वर्ष की हो सकती है। हृदय की कठोरता से इसका आभास होता है। इसे Maturity, परिपक्वता भी कहते हैं। उपनी और दूसरों की भावनाओं की कद्र न करना low emotional age होती है। जिनका स्वभाव स्नेही, loving होता है, वे emotionally higher age के होते हैं। इसे व्यवहार कुशलता की उम्र भी कह सकते हैं।

3. Intellectual Age – बौद्धिक उम्र - बुद्धि का कुशाग्र होना। Intellectual Age depends upon the depth of knowledge of worldly affairs. Judges, lawyers, doctors, professors व scientists की intellectual age काफी ज्यादा होती है। कई 8-10 years की physical age के बच्चे, 30-40 years की बौद्धिक उम्र के होते हैं। ज्यादा ज्ञान, ज्यादा बुद्धि की आयु।

4. Spiritual Age – आध्याात्मिक आयु - मन की पवित्रता, purity of mind की होती है। Physically and Intellectually ज्यादा age वालों की spiritual age बहुत कम भी हो सकती है, यदि वे अहंकारी हैं तो। जितना ज्यादा हृदय व वाणी से प्रभु स्मरण होता है (पूजा-पाठ नहीं), उसके व्यवहार से, विनम्रता से, आध्यात्मिक उम्र पता चल जाती है। ज्ञान का अहंकार भी spiritual age कम कर देता है।

So, holistic life के लिए हमें चारों प्रकार की आयु से बड़ा होना है, इस संसार से विदा होते समय।

FOR A SIMPLE, SWEET & SUCCESSFUL LIFE

अवश्य देखिए

आध्यात्मिक सामाजिक टी.वी. चैनल

॥ साधना ॥

Sunday – 3:00 p.m. - Divine Programme

खुशनसीबी के रंग Mission Happiness के संग

आगे आइए – पवित्रता फैलाइए

D.V.D.'s of the telecast programmes are also available

That is the secret of
Happy Life
and
Honourable Death
(of physical body)

Published by
MISSION HAPPINESS
Ph. : 9837032053, 9536824265
e-mail : contact@missionhappiness.in
website : www.missionhappiness.in